भारतीय ट्रेड यूनियन केन्द्र

मई दिवस घोषणा पत्र, 2019

इस मई दिवस, मजदूर वर्ग की अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता के दिवस पर , सीटू

सारी दुनिया के मेहनतकश लोगों को गर्मजोशी के साथ विरादराना बधाई देता है

सीटू, नवउदारवाद के हमले, विशेषकर एक दशक से भी ज्यादा से जारी पूंजीवाद के व्यवस्थाजन्य वैश्विक संकट के इस दौर में कड़े संघर्षों के बल पर हासिल अधिकारों के बचाने के मजदूरों के संघर्षों के साथ खड़ा है।

इस मई दिवस पर, सीटू

वेंजेजुएला, सीरिया, फिलस्तीन, इराक, यमन, अफगानिस्तान व अन्य देशों में साम्राज्यवाद नीत हस्तक्षेपों, ध्वंसकारी गतिविधियों, हमलों व युद्धों की कड़ी से कड़ी भर्त्सना करता है। इन देशों में अमरीकी साम्राज्वाद की कारगुजारियों के खिलाफ लड़ रहे लोगों व तमाम प्रगतिशील ताकतों के साथ एकजुटता जाहिर करता है; अमरीका की मिलीभगत से फिलस्तीन के भू–भागों को हड़पने की इजरायल की कोशिशों की निंदा करता है; पूर्वी येरूशलम को इसकी राजधानी व 1967 की सीमाओं के साथ स्वतंत्र, संप्रभु फिलस्तीन राज्य को मान्यता दिये जाने की माँग करता है।

मजबूती से दोहराता है कि शोषणकारी पूंजीवादी व्यवस्था को परास्त कर एक शोषणविहीन समाजवादी व्यवस्था के लिए, जिसके प्रति सीटू मजबूती से प्रतिबद्ध है।

साम्राज्यवाद के विरुद्ध लड़ाई वर्ग संघर्ष का एक अभिन्न अंग है।

समाजवादी देशों में समाजवाद की हिफाजत करने व बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप व आक्रमण के अपनी पसन्द की समाज व्यवस्था का स्वतंत्र व मुक्त होकर चयन करने के वहाँ की जनता के अधिकार के साथ खड़ा है; विशेषकर अमरीकी साम्राज्वाद की करतूतों के खिलाफ समाजवादी क्यूबा के संघर्ष के साथ खड़ा है और उसके ऊपर थोपे गये अवैध प्रतिबंधों को हटाने की माँग करता है।

दुनिया के विभिन्न भागों में दक्षिणपंथी, प्रतिगामी प्रतिक्रियावादी, नस्लवादी, नव– उदारवादी व आतंकवादी शक्तियों के उभार पर गंभीर सजगता का आह्वान करता है; इन शक्तियों को जनता को बांटने तथा नव–उदारवाद के विरुद्ध संयुक्त संघर्षों को तोड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी व कारपोरेट वर्गों द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है; नव–उदारवाद का कोई विकल्प न पेश कर, लोगों के असंतोष का प्रयोग उन्हें आपस में लड़ाकर अपने कारपोरेट आकाओं को फायदा पहुँचाने वाली इन ताकतों के विरुद्ध समूची दुनिया में लड़ रहे लोगों के साथ चट्टानी एकजुटता के साथ खड़ा है; सारी दुनिया के मजदूर वर्ग व मेहनतकशों से जनता के इन दुश्मनों की पहचान करने और पूरी ताकत के साथ जनता की एकता को बचाने का आह्वान करता है।

विकासशील देशों समेत, समूची दुनिया के मजदूरों को बधाई देता है जो अपने अधिकारों , वेतन व काम काज तथा जीवन की स्थितियों को बचाने के लिए तथा कथित ' कमखर्ची की नीतियों ' के खिलाफ बढ़ती

संख्या में संघर्षो में शामिल हो रहे हैं; भारत के मजदूर वर्ग को 8–9 जनवरी, 2019 की शानदार दो दिवसीय आम हड़ताल के लिए दिल से बधाई देता है, देश में नवउदारवाद के शुरु होने के बाद से यह 18 वीं देशव्यापी आम हड़ताल थी; हड़ताल के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए किसानों, खेतमजदूरों व प्रगतिशील जनता के सभी तबकों का आभार व्यक्त करता है; रक्षा उत्पादन, टेलीकॉम आदि समेत मजदूरों के कितने ही अन्य तबकों का आभार व्यक्त कर बधाई देता है जो तीन दिन तक हड़ताल पर रहे; देश के विभिन्न भागों में डॉयकिन, टायोटा, यामाहा, प्राइकॉल आदि बहुराष्ट्रीय निगमों की इकाईयों के संघर्षरत मजदूरों के साथ एकजुटता व्यक्त करता है।

पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल व अन्य राज्यों के मजदूर वर्ग व जनता को सलाम करता है जो अपने बुनियादी जनवादी अधिकारों पर शासक वर्गों व उनके गुंडों के हमलों का बहादुरी के साथ प्रतिरोध कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कॉंग्रेस तथा त्रिपुरा में भाजपा के गुंडे वहाँ , विशेषकर वामपंथ के समर्थकों पर शारीरिक हमले कर रहे हैं; लोगों को स्वतंत्र रुप से मतदान करने की इजाजत न देकर इन राज्य सरकारों ने जनतांत्रिक प्रक्रिया का मजाक बना दिया है। कितने ही वामपंथी कैडरों व समर्थकों पर शारीरिक हमले किये गये हैं, घायल किये गये हैं व हत्यायें की गई हैं। तथापि, इन राज्यों में मजदूर वर्ग बराबर ऐसे हमलों का प्रतिरोध कर रहा है। भाजपा, सुप्रीम कोर्ट सहित संविधानिक निकायों की अनदेखी कर अपनी रुढ़िवादी, प्रतिगामी ' हिन्दुत्व' की विचारधारा को अवसरवादी तरीके से आगे बढ़ाकर केरल में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रही है। आर एस एस के गुंडे घृणा व हिंसा को फैलाने की कोशिश में वामपंथी कैडरों पर हमले व उनकी हत्यायें कर रहे हैं।

सीटू , देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर, भाजपा शाषित राज्यों में दलितों व अल्संख्यकों पर बढ़ते हमलों पर गुस्सा व्यक्त करता है; दलितों, आदिवासियों व महिलाओं को दबाकर रखने वाली प्रतिगामी प्रतिबद्धता रखने वाली भाजपा व आर एस एस केवल अपने चुनावी लाभ के लिए दलितों की आँखों में धूल झौंकना चाहते हैं।

सीटू , अपने इस विश्वास को दोहराता है कि बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक साम्प्रदायिकता व कट्टरता एक दूसरे पर पलते हैं; साम्प्रदायिकता, चाहे किसी भी रंग व झंडे की हो लोगों को बांटती है, उनकी एकता को तोड़ती है, रोजमर्रा के वास्तविक मुद्दों से उनका ध्यान हटाती है, असली अपराधी यानी नवउदारवादी नीतियों व शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ उनके संघर्ष को कमजोर करती है।

इन सभी राज्यों में, सरकारों की मजदूर विरोधी नीतियों का पर्दाफाश करते हुए जीविका व जिंदगी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा को बनाये रखने तथा अपने संयुक्त संघर्षों और देश की धर्मनिरपेक्ष की रक्षा करने के लिए अपने कैडरों के प्रतिबद्ध व बराबर प्रयासों की प्रशंसा करता है।

भारी चिंता के साथ नोट करता है कि नवउदारवाद में मेहनतकशों के खून– पसीने से पैदा की गई धन संपदा का कुछ ही लोगों के हाथों में संकेन्द्रण हो रहा है और गैरबराबरी बढ़ रही है; इस दौलत को मेहनतकश जनता के बढ़ते शोषण, दरबारी पूंजीवाद, कर चोरी, सार्वजनिक सम्पत्तियों व प्राकृतिक संपदाओं – जमीन, जंगल, खदान, जल पर कब्जे और गरीब किसानों, आदिवासियों व अन्य की बेदखली कर हथियाया गया है।

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (डब्ल्यू एफ टी यू) के धन– दौलत उसे पैदा करने वाले की ' के नारे के साथ इस मई दिवस को मनाने के आह्वान का पूरी तरह समर्थन करता है; सीटू, डब्ल्यू एफ यू के ज्यादा लगन वाली वर्गीय उन्मुखता के साथ शोषणकारी पूंजीवादी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष को मजबूत करने के प्रयासों के प्रति अपनी बचनवद्धता दोहराता है।

सीटू, इस आद्यात को व्यक्त करता है कि मुनाफे से संचालित पूंजीवादी व्यवस्था में, मानवता के सामूहिक प्रयासों के बूते हासिल वैज्ञानिक व प्रोद्योगिकीय तरक्की को उसका इस्तेमाल करने वाले कुछ देशों व कारपोरेटों ने हथिया लिया है और ऐसा उन्होंने लोगों के लाभ के लिए नहीं बल्कि अपने मुनाफों को बढ़ाने और मेहनतकश वर्ग को दरिद्र बनाने के लिए किया है। यह समूची मानवता के लिए शर्म का विषय है कि करोड़ों लोग बेरोजगारी , गरीबी, अशिक्षा, बीमारी से पीड़ित व बेघर तथा कुछ हाथों में इतनी भारी– भरकम दौलत हैं जबकि सीटू , जोर देता है कि ऐसी अमानवीय व्यवस्था, पूंजीवादी व्यवस्था को जारी रहने का कोई अधिकार नहीं है। इसे जारी नहीं रहने दिया जा सकता है।

इस मई दिवस पर सीटू

पूंजीवादी व्यवस्था को उखाड़ फैंकने में मजदूर वर्ग की भूमिका के बारे में मजदूरों की चेतना को बढ़ाने और शोषण की समाप्ति के लिए होने वाले संघर्ष के लिए मजदूरवर्ग को तैयार करने की शपथ लेता है।

इस मई दिवस पर जो हमारे देश भारत में संसदीय चुनावों के बीच आया है,

सीटू

देश के मजदूरवर्ग, तमाम मेहनतकशों, प्रगतिशील, देशभक्त व भविष्यकामी लोगों से

मजदूर विरोधी,जन–विरोधी व राष्ट्रविरोधी भाजपा को निर्णायक रुप से परास्त करने का आह्वान करता है जिसने आर एस एस द्वारा संचालित साम्प्रदायिक व विभाजनकारी नीतियों के साथ ही कारपोरेट आदेशित नवउदारवादी एजेंडे को आक्रामक रुप से आगे बढ़ाया है । सीटू, जनता से अपील करता है कि यह संसद में मेहनतकश जनता के सच्चे दोस्त, वामपंथ की उपस्थिति को मजबूत करें।

भाजपा की मोदी सरकार ने अपने पाँच वर्ष के कार्यकाल में मुनाफे के लालची देशी– विदेशी कारपोरेटों के लिए राष्ट्रीय हित को गिरवी रख लोगों की जिन्दगी व जीविका का तहस–नहस कर दिया है।

यह सरकार रक्षा उत्पादन जैसे अहम सैक्टर समेत देश की अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बर्बाद करने के लिए सक्रिय रही है और इस तरह देश को साम्राज्यवादी स्वामित्व वाली विदेशी पूंजी पर निर्भर बना रही है। हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, हमारे प्राकृतिक संसाधनों, हमारी जमीन, हमारी खदानों, जंगलों, समुद्रों को बेरोकटोक शोषण के लिए थाली में रख देशी–विदेशी कारपोरेटों को परोसा जा रहा है जबकि हमारे किसान, हमारे आदिवासी, हमारे मुछआरे और हमारे मजदूर अपनी आजीविका का एकमात्र स्रोत खो रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर नवउदारवाद की साख के बराबर ध्वस्त होते जाने पर भी, भाजपा सरकार अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी के निर्देश पर ' देश की जनता व उसके संसाधनों की आसान लूट ' को बढ़ाने के द्वारा ' इज ऑफ डूइंग बिजनिस ' यानी व्यापार करने को आसान बनाने के एक सूत्री मकसद को आगे बढ़ाने के लिए नवउदारवाद को आक्रामक ढंग से लागू कर रही है। मजदूरों के बुनियादी श्रम व ट्रेड यूनियन अधिकार ,

जनता के जनवादी व संवैधानिक अधिकार गंभीर हमले की चपेट में हैं। मजदूरों पर गुलामों जैसी शर्तें थोपने की कोशिश है। असहमति को पैरों तले कुचला जा रहा है। मानवधिकार कार्यकर्ताओं को धमकाया जा रहा है उन पर हमले किये जा रहे हैं, जेल में डाला जा रहा है और यहाँ तक कि उन्हें मार डाला जा रहा है।

भाजपा शासन के तहत धनी भूत हुए साम्राज्यवाद नीत नवउदारवाद के इन गुजरे वर्षों में;

- रोजगार विहीन व रोजगार छीनने वाली वृद्धि सामने आयी है
- नया रोजगार सृजित करने वाला निजी निवेश नहीं; उद्योग बंद हो चुके हैं जिससे बेरोजगारी चिंताजनक स्तर पर पहुँच गई है, खासतौर पर युवा बेरोजगारी आज बेरोजगारी पिछले 45 वर्षों में सबसे ऊँचे स्तर पर है
- ठीक–ठाक, सम्मानजनक व स्थायी रोजगार गायब हुआ है
- ज्यादातर मजदूरों के वेतन में ठहराव और यहाँ तक उसमें गिरावट आयी है
- वेतन, आय व धन की गैर–बराबरी बढ़ी है
- किसानों की आत्महत्यायें व ग्रामीण संकट जारी रहा है
- मनरेगा में काम घटा है
- अर्थव्यवस्था धीमी हुई है

इस मई दिवस पर सीटू ,

मजदूरों, किसानों, खेतमजदूरों, युवाओं, छात्रों यानी समाज के सभी तबकों द्वारा अपनी आजीविका व काम व जीवन के हालातों को बचाने के लिए किये गये बढ़ते संघर्षों का स्वागत करता है; सीटू अपने संवैधानिक व जनवादी अधिकारों को बनाये रखने के लिए दलितों व आदिवासियों के संघर्षों समेत समाज के विभिन्न तबकों के बढ़ते संघर्षों का स्वागत करता है

सीटू , मजदूर वर्ग व मेहनतकश जनता से आह्वान करता है कि चुनाव के बाद जो भी सरकार सत्ता में आये, वे , नवउदारवादी निजाम को हराने के लक्ष्य के साथ नीतियों की दिशा को 'कारपोरेट हितैषी से ' जन–हितैषी की ओर बदलने के लिए अपने संयुक्त संघर्षों को और तेज करें।

सीटू , जोर देता है कि इस बदलाव को लाने के लिए देश के पास जरुरी संसाधन हैं; उसके पास विशा मानव संसाधन है; उसके पास हमारे युवाओं, हमारे पुरुषों व महिलाओं को लाभदायक रोजगार में लगाने तथा उन्हें उचित न्यूनतम वेतन प्रदान करने के लिए, सभी को भोजन, आवास, शिक्षा व स्वास्थय प्रदान करने के लिए, सभी के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, सभी जरुरतमंदों के लिए पेंशन तथा एक अच्छे व सम्मानजनक जीवन के लिए सभी बुनियादी जरुरतें पूरी करने के लिए वित्तीय संसाधन हैं।

इस मई दिवस पर सीटू ,

अपने इस दृढ़ विश्वास को दोहराता है कि आज देश में मजदूरवर्ग व मेहनतकश जनता के समक्ष मौजूद चुनौतियों का सामना करने के लिए त्रिकोणीय संघर्ष की जरुरत है– नवउदारवाद के विरुद्ध

संघर्ष, विभाजनकारी साम्प्रदायिक व जातिवादी ताकतों के विरुद्ध संघर्ष तथा सत्तावाद के खिलाफ संघर्ष ।

सीटू , इन चुनौतियेां का प्रभावी मुकाबला करने के लिए देश में समूचे मजदूरवर्ग को लामबंद करने वाली अपनी प्रतिबद्धता घोषित करता है।

मेहनतकशों के सभी तबकों की एकता को मजबूत व व्यापक करने और उन्हें संयुक्त संघर्षों में लामबंद करने की प्रतिबद्धता को दोहराता है; ऐसा करना, जनविरोधी सामाजिक, आर्थिक– राजनीतिक निजाम के खिलाफ प्रतिरोध के संघर्ष को नई ऊंचाई पर ले जाने की पूर्व शर्त है।

मजदूरों, गरीब किसानों व खेतमजदूरों का भारी शोषण करने वाली नवउदारवादी नीतियों और पूंजीवादी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष के लिए इन तबकों की एकता की जरूरत को दोहराता है और इस दिशा में काम करने का संकल्प दोहराता है।

सीटू , संयुक्त ट्रेड यूनियन आंदोलन की मजबूती के लिए स्वतंत्र अभियानों व पहलकदमियों के साथ–साथ मेहनतकशों की हरसंभव व्यापक एकता को हासिल करने के लिए नवउदारवादी नीतियों का ठोस विकल्प पेश कर संयुक्त संघर्षों को मजबूत करने के लिए संकल्पबद्ध है।

सीटू , देश में पहले राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन केन्द्र की स्थापना के शताब्दी वर्ष तथा पूरे 2019–20 के दौरान सीटू की स्थापना के पचासवें वर्ष को '' संघर्ष व बलिदान के 100 वर्ष – मजदूर वर्ग की एकता के संघर्ष के 50 वर्ष '' की थीम के साथ '' एकता व संघर्ष '' पर केन्द्रित विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों के माध्यम से मनाने का संकल्प लेता है।

अपने इस विश्वास को दोहराता है कि ऐसे विशाल संघर्षों का निर्माण और उन्हें लगातार आगे ले जाने से ही ताकतों के संतुलन में मजदूरवर्ग के पक्ष में व्यापक बदलाव की ओर जाया जा सकता है।

2019 के इस मई दिवस पर, सीटू भारत के मजदूर वर्ग से अपील करता है किः

न्वउदारवादी नीतियों को हराने तथा मजदूर हितैषी जन हितैषी वैकाल्पिक नीतियों के लिए एकता व संघर्ष को मजबूत करें

मेहनतकशों के सभी तबकों– मजदूरों, खेतमजदूरों गरीब किसानों के बीच एकजुटता को मजबूत करें; गाँव व जिला समेत सभी स्तरों पर मजदूरों व किसानों के मजबूत संघर्षों को विकसित करें

चौकन्नें रहें और एकता को तोड़ने की साम्प्रदायिक व जातिवादी शक्तियों की तिकड़मों को परास्त करें

मजदूर वर्ग व मेहनतकश जनता के सभी तबकों के असली दुश्मन– पूंजीवादी व्यवस्था और इसे बढ़ाने वाली राजनीतिक शक्तियों की पहचान करें; इस शोषणकारी व्यवस्था को बदलने के संघर्ष की तैयारी करें

इस मई दिवस पर सीटू

हर प्रकार के शोषण व दमन के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय मजदूर वर्ग की एकजुटता व एकता के समर्थन में अपना बैनर ऊँचा करता है

पूंजीवाद व साम्राज्यवाद मुर्दाबाद

समाजवाद जिंदाबाद

दुनिया के मजदूरों एक हो